https://farid.ps/articles/gaza_urgent_call_for_immediate_action/hi.html

तत्काल कार्रवाई के लिए तत्काल आह्वान: गाजा में मानवीय आपदा के लिए वैश्विक हस्तक्षेप की आवश्यकता

गाजा में मानवीय संकट एक अभूतपूर्व गंभीरता के स्तर तक पहुंच गया है, जो होलोकॉस्ट की चरम दैनिक मृत्यु दर को पार कर गया है और स्टालिनग्राद की घेराबंदी की तुलना में आबादी के एक बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहा है। 2 मई 2025 तक, इज़राइल की 2 मार्च 2025 से लागू पूर्ण घेराबंदी ने सभी भोजन, ईंधन और सहायता को अवरुद्ध कर दिया है, जिससे 20 लाख लोग भयावह अकाल की ओर धकेल दिए गए हैं। मृत्यु दर तेजी से बढ़ रही है, और भले ही सहायता की पहुंच बहाल हो जाए, तत्काल, समन्वित और संरक्षित हस्तक्षेप के बिना लाखों लोग मर जाएंगे। इज़राइल द्वारा थोपी गई परिस्थितियां इतनी चरम हैं कि जब बासी खाद्य आपूर्ति खत्म हो जाएगी और बचे हुए लोग अपने मृतकों को दफनाने की ताकत खो देंगे, तो कुछ लोग अंततः जीवित रहने के लिए नरभक्षण का सहारा ले सकते हैं—एक भयावह परिणाम जिसे केवल तत्काल कार्रवाई से रोका जा सकता है। हम संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) से 10वें आपातकालीन विशेष सत्र को फिर से बुलाने, गाजा के क्रॉसिंग को बलपूर्वक खोलने के लिए आपातकालीन उपाय पारित करने, और अन्य देशों से हवाई और समुद्री मार्गों से मानवीय सहायता वितरण को व्यवस्थित करने की मांग करते हैं—सैन्य बल द्वारा संरक्षित **अंतिम उपाय** के रूप में ताकि सहायता उन लोगों तक पहुंचे जो हताश जरूरत में हैं।

गाजा में स्थिति: एक मानवीय आपदा

गाजा 21वीं सदी के सबसे खराब मानवीय संकटों में से एक का सामना कर रहा है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट, मानवीय संगठनों और प्रत्यक्षदर्शी खातों द्वारा प्रलेखित है: - **पूर्ण घेराबंदी**: 2 मार्च 2025 से, इज़राइल ने सभी सीमा क्रॉसिंग (रफाह, केरेम शालोम, एरेज़) को सील कर दिया है, जिससे कोई भी भोजन, ईंधन या सहायता प्रवेश नहीं कर पा रही है। UNRWA के पास 3,000 ट्रक प्रतीक्षा में हैं, और WFP के पास 116,000 मीट्रिक टन भोजन है—जो 20 लाख लोगों को 44 दिनों तक खिलाने के लिए पर्याप्त है—लेकिन इज़राइल सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर और हमास से बंधकों को रिहा करने की मांग करके प्रवेश से इनकार करता है (रॉयटर्स, 29 अप्रैल 2025; संयुक्त राष्ट्र समाचार, 29 अप्रैल 2025)। - **अकाल और कुपोषण**: 92% बच्चे और गर्भवती महिलाएं गंभीर कुपोषण से पीड़ित हैं, अप्रैल में मार्च की तुलना में बच्चों में कुपोषण के मामलों में 80% की वृद्धि हुई है (X ट्रेंड सारांश)। परिवार कीट-संक्रमित आटे और फफूंदी लगे रोटी पर जीवित हैं, बिना किसी ताज़ा भोजन के। एक बचे हुए व्यक्ति ने बताया, "मैं अस्पताल में था... मैंने समय-सीमा समाप्त आटा खाया और मुझे खाद्य विषाक्तता हो गई" (प्रत्यक्षदर्शी खाता, 2 मई 2025)। - **पानी और चिकित्सा देखभाल की कमी**: कोई स्वच्छ पानी नहीं है, दूषित पानी उबालने के लिए कोई ऊर्जा नहीं है, और स्वास्थ्य प्रणाली ध्वस्त हो गई है (रॉयटर्स, 29 अप्रैल 2025)। लोग 3-7 दिनों के भीतर निर्जलीकरण से मर रहे हैं और खाद्य विषाक्तता जैसे संक्रमणों से, जो बासी भोजन के सेवन के कारण व्यापक हैं। - **नरभक्षण का जोखिम**: हालांकि अभी तक नरभक्षण के प्रलेखित मामले नहीं हैं, लेकिन अत्यधिक अभाव—अब कई लोगों के लिए भोजन के बिना पहला सप्ताह—का मतलब है कि जैसे ही बासी भोजन खत्म होगा और बचे हुए लोग अपने मृतकों को दफनाने की ताकत खो देंगे, कुछ लोग अंततः जीवित रहने के लिए नरभक्षण का सहारा ले सकते हैं। यह भयावह परिणाम इज़राइल की घेराबंदी द्वारा थोपी गई परिस्थितियों का प्रत्यक्ष परिणाम है और इसे तत्काल कार्रवाई के माध्यम से रोका जाना चाहिए। - **हालिया तनाव**: 2 मई 2025 की रात को, एक इज़राइली ड्रोन ने समुद्र के रास्ते सहायता पहुंचाने की कोशिश कर रही फ्रीडम फ्लोटिला पर हमला किया, जिसने माल्टा के पास 30 लोगों के चालक दल के साथ एक जहाज को डुबो दिया और एक SOS को प्रेरित किया (रिपोर्ट की गई घटना, 2 मई 2025)। यह हमला 2010 के मावी मरमारा छापे की याद दिलाता है, जहां 10 कार्यकर्ता मारे गए थे (द गार्जियन, 2010), और यह इज़राइल की सहायता को किसी भी तरह से रोकने की मंशा को दर्शाता है, यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय जल में भी।

अनुमानित मृत्यु दर: ऐतिहासिक अत्याचारों से भी बदतर संकट

गाजा में मृत्यु दर खतरनाक गति से बढ़ रही है, जो इतिहास के सबसे खराब नरसंहारों को पार कर रही है: - **वर्तमान मृत्यु दर**: - **2-9 मई**: 27,143 कुल मौतें/दिन (21,714 भुखमरी से), 9 मई तक 190,000 संचयी मौतें। - **10-16 मई**: 44,030 कुल मौतें/दिन (27,371 भुखमरी से), 16 मई तक 498,212 संचयी मौतें (20 लाख का 24.9%)। - **17-25 मई**: 96,483 कुल मौतें/दिन (69,334 भुखमरी से), 25 मई तक 1,366,556 संचयी मौतें (आबादी का 68.3%)। - **26**

मई-2 जून: 58,593 कुल मौतें/दिन (40,540 भुखमरी से), 2 जून तक 1,835,300 संचयी मौतें (आबादी का 91.8%)। - **जून के अंत तक**: 20,00,000 मौतें (आबादी का 100%) यदि कोई सहायता नहीं पहुंचती। - **ऐतिहासिक अत्याचारों से तुलना**: - **होलोकॉस्ट**: 1942 में चरम दैनिक मृत्यु दर 18,692 थी। गाजा का चरम 69,334 भुखमरी की मौतें/दिन (17-25 मई) 3.7 गुना अधिक है। - **स्टालिनग्राद की घेराबंदी**: 710,000 नागरिक प्रभावित, 33.1% की मृत्यु (1942-1943)। गाजा के 20 लाख लोग, जिनमें से 91.8% की मृत्यु 2 जून तक होने की आशंका है, 2.77 गुना अधिक मृत्यु दर का सामना कर रहे हैं। - **खाद्य विषाक्तता का प्रभाव**: बचे हुए लोग कीट-संक्रमित आटा और फफूंदी लगी रोटी खा रहे हैं, 16 मई को 1,570,500 बचे हुए लोगों में से 50% (785,250) को खाद्य विषाक्तता हो सकती है, जिसमें से 20% मर जाएंगे (157,050)—जो 9,816 मौतें/दिन (10-25 मई) जोड़ता है, जिससे कुल मृत्यु दर 17-25 मई तक 96,483/दिन हो जाती है।

सहायता के साथ भी, कई लोग मर जाएंगे

यहां तक कि अगर भोजन की पहुंच बहाल हो जाए, तो भुखमरी, निर्जलीकरण और बीमारी के गंभीर शारीरिक प्रभावों के कारण मृत्यु तुरंत बंद नहीं होगी: - **रीफीडिंग सिंड्रोम**: लंबे समय तक भुखमरी (महीनों तक <500 kcal/दिन, अप्रैल के अंत से 0 kcal) का मतलब है कि बचे हुए लोग अचानक भोजन का सेवन नहीं सह सकते। सावधानीपूर्वक रीफीडिंग (10-20 kcal/kg/दिन, PMC अध्ययन के अनुसार) के बिना, 20-30% इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन (हृदय विफलता, दौरे) से मर जाएंगे। 16 लाख बचे हुए लोगों के लिए (यदि घेराबंदी 15 मई को समाप्त होती है), इसका मतलब 96,000 मौतें हो सकता है (मई के मध्य का अनुमान)। - **अंग क्षति और संक्रमण**: भुखमरी ने हृदय, गुर्दे और यकृत को नुकसान पहुंचाया है, और चिकित्सा देखभाल के बिना🤒 (जैसे खाद्य विषाक्तता, हैजा) व्यापक हैं। अनुमान है कि घेराबंदी के बाद 80,240-156,425 लोग बीमारी से मर जाएंगे (मई के मध्य/अंत का अनुमान)। - **लॉजिस्टिक देरी**: भले ही क्रॉसिंग खुल जाएं, युद्धग्रस्त क्षेत्र में 16 लाख लोगों को सहायता वितरित करने में हफ्तों लगते हैं। 44,030 मौतें/दिन (10-16 मई की दर) पर एक सप्ताह की देरी का मतलब 308,210 और मौतें हैं। - **घेराबंदी के बाद कुल मौतें (मई के मध्य का परिदृश्य)**: तत्काल चिकित्सा हस्तक्षेप (जैसे 18.55 मिलियन लीटर रिंगर का घोल) के बिना, जून के मध्य तक 584,450 अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं, जिससे कुल संख्या 1,082,662 (आबादी का 54.1%) हो जाएगी।

तत्काल कार्रवाई के लिए आह्वान

इस संकट का पैमाना तत्काल, निर्णायक कार्रवाई की मांग करता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय तब तक इंतजार नहीं कर सकता जब तक मृत्यु दर 69,334 भुखमरी की मौतें/दिन (17 मई) तक न पहुंच जाए—सीमा पहले ही 21,714/दिन (2 मई) के साथ पार हो चुकी है। हमें अब कार्रवाई करनी होगी:

1. **UNGA आपातकालीन विशेष सत्र 10**:
    - **तत्काल पुनः बुलाना**: UNGA को अब 10वां आपातकालीन विशेष सत्र बुलाना होगा, जैसा कि उसने 2023 में किया था (रिज़ॉल्यूशन ES-10/22), जब भुखमरी से होने वाली मौतें लगभग शून्य थीं। 44,030 कुल मौतें/दिन (10 मई) के साथ, संकट तेजी से बदतर हो गया है।
    - **आपातकालीन उपाय**: बाध्यकारी उपायों को पारित करना:
        - इज़राइल को तत्काल सभी क्रॉसिंग (रफाह, केरेम शालोम, एरेज़) खोलने के लिए मजबूर करना, जिससे 116,000 मीट्रिक टन भोजन और 3,000 UNRWA ट्रकों को प्रवेश की अनुमति मिले।
        - संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों को सहायता वितरण को सुरक्षित करने के लिए तैनात करना, ताकि लूटपाट को रोका जा सके (जैसा कि देयर अल-बलाह में देखा गया, संयुक्त राष्ट्र समाचार, 29 अप्रैल 2025)।
        - इज़राइल को सहायता रोकने के लिए जवाबदेह ठहराना, जो एक युद्ध अपराध है (रशीदा तलैब के अनुसार, X ट्रेंड पोस्ट), प्रतिबंधों और ICJ प्रवर्तन के माध्यम से।
    - **फ्लोटिला हमले की जांच**: 2 मई 2025 को माल्टा के पास फ्रीडम फ्लोटिला पर इज़राइली ड्रोन हमले की तत्काल संयुक्त राष्ट्र जांच शुरू करना, जिसने अंतरराष्ट्रीय जल में 30 चालक दल के साथ एक जहाज को डुबो दिया—अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन (पूर्व नजीर: 2010 मावी मरमारा छापा, द गार्जियन)।
2. **हवाई और समुद्री मार्ग से मानवीय सहायता का आयोजन, सैन्य बल द्वारा संरक्षित**:
    - **हवाई और समुद्री वितरण**: स्थलीय क्रॉसिंग बंद होने और समुद्री मार्गों पर हमलों (फ्रीडम फ्लोटिला घटना) के साथ, देशों को भोजन, पानी और चिकित्सा आपूर्ति (जैसे 16 लाख बचे हुए लोगों के लिए 18.55 मिलियन

लीटर रिंगर का घोल, मई के मध्य का अनुमान) पहुंचाने के लिए हवाई ड्रॉप और समुद्री काफिलों का आयोजन करना होगा।
        - **हवाई ड्रॉप**: WFP और UNRWA जॉर्डन जैसे देशों (जिन्होंने 2024 में हवाई ड्रॉप किए, एमनेस्टी इंटरनेशनल) के साथ भोजन और IV तरल पदार्थों की डिलीवरी के लिए समन्वय कर सकते हैं।
        - **समुद्री काफिले**: सीमा पर अटके 116,000 टन को समुद्री मार्गों के माध्यम से पहुंचाने के लिए एक बहुराष्ट्रीय फ्लोटिला का आयोजन करना।
    - **सैन्य संरक्षण (अंतिम उपाय)**: फ्रीडम फ्लोटिला पर इज़राइली ड्रोन हमला दर्शाता है कि वे सहायता रोकने के लिए घातक बल का उपयोग करेंगे। डिलीवरी सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका इन मिशनों को सैन्य एस्कॉर्ट के साथ संरक्षित करना है:
        - **नौसैनिक एस्कॉर्ट**: तुर्की जैसे देश (जिन्होंने 2010 में फ्लोटिला का नेतृत्व किया) या यूरोपीय संघ के देश (जैसे माल्टा, फ्रांस) सहायता काफिलों को एस्कॉर्ट करने के लिए नौसेना के जहाज तैनात कर सकते हैं, जिससे इज़राइली हमलों को रोका जा सके।
        - **हवाई रक्षा**: लड़ाकू जेट या ड्रोन-विरोधी सिस्टम हवाई ड्रॉप को इज़राइली हस्तक्षेप से बचा सकते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि सहायता गाजा तक पहुंचे।
        - **पूर्व नजीर**: संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों ने पिछले संघर्षों में सहायता को एस्कॉर्ट किया है (जैसे बोस्निया, 1990 के दशक)। इच्छुक देशों का एक गठबंधन (जैसे कनाडा, मार्क कार्नी के वैश्विक नेतृत्व पर बयान के अनुसार, Web ID 0) को आगे आना होगा।
3. **वैश्विक एकजुटता**:
    - **सार्वजनिक दबाव**: समय-सीमा समाप्त आटे से खाद्य विषाक्तता से पीड़ित एक बचे हुए व्यक्ति की कहानी जैसे प्रत्यक्षदर्शी खातों को बढ़ावा देना, ताकि जनता का आक्रोश जागे। X जैसे मंचों पर साझा करें, @UN, @WHO, @ICRC, और @save_children को टैग करें, और 17-25 मई तक 96,483 मौतें/दिन का हवाला दें।
    - **कूटनीतिक कार्रवाई**: ES-10/22 का समर्थन करने वाले देश (153 वोट पक्ष में, जिसमें कनाडा और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं) को नए सत्र और सैन्य रूप से संरक्षित सहायता वितरण के लिए दबाव का नेतृत्व करना होगा।
    - **मीडिया आउटरीच**: अल जज़ीरा, द गार्जियन और रॉयटर्स जैसे मीडिया आउटलेट्स को शामिल करें ताकि 2 जून तक अनुमानित 1,835,300 मौतों और घेराबंदी जारी रहने पर नरभक्षण के जोखिम को उजागर किया जाए।

निष्कर्ष

गाजा में संकट विश्व की अंतरात्मा पर एक धब्बा है। 10 मई तक 44,030 कुल मौतें/दिन, जो 17-25 मई तक 96,483 तक बढ़ रही हैं, और 2 जून तक आबादी के 91.8% की मृत्यु की आशंका के साथ, हम वास्तविक समय में एक नरसंहार को देख रहे हैं। इज़राइल द्वारा थोपी गई परिस्थितियां—भोजन, पानी और चिकित्सा देखभाल से वंचित करना—बचे हुए लोगों को कगार पर धकेल रही हैं, जहां वे जल्द ही जीवित रहने के लिए नरभक्षण का सहारा ले सकते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। UNGA को 10वां आपातकालीन विशेष सत्र फिर से बुलाना होगा, गाजा के क्रॉसिंग को बलपूर्वक खोलना होगा, और देशों को हवाई और समुद्री मार्गों से सहायता पहुंचानी होगी, यदि आवश्यक हो तो सैन्य बल द्वारा संरक्षित। प्रत्येक घंटे की देरी का मतलब हजारों और मौतें हैं। विश्व नजर नहीं फेर सकता—हमें अब 15,70,500 बचे हुए लोगों को बचाने के लिए कार्रवाई करनी होगी, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।